# वाणिज्य में स्नातक
# (बी. कॉम. – जी)

## चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

## बी. सी. ओ. सी. -133: व्यावसायिक सन्नियम

सत्रीय कार्य
2023–2024

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1 जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर 2024

द्वितीय सत्र

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

**वाणिज्य में स्नातक (बी. कॉम. - जी)**

**चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली**

# बी. सी. ओ. सी. -133: व्यावसायिक सन्नियम

## सत्रीय कार्य 2024

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस सत्रीय कार्य को तीन खंडों में विभाजित किया गया है । खण्ड - क में वर्णनात्मक पांच प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 10 अंक के हैं। खण्ड - ख में पांच लघु प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 6 अंक के हैं। खण्ड - ग में चार अति लघु प्रश्न दिए गए हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 5 अंक के हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो जून 2024 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2024 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो दिसम्बर 2024 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2024 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

## अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम का कोड** | **:** | **बी. सी. ओ. सी. -133** |
| **पाठ्यक्रम का शीर्षक** | **:** | **व्यावसायिक सन्नियम** |
| **सत्रीय कार्य का कोड** | **:** | **बी.सी.ओ.सी.-133/टी. एम. ए./2024** |
| **खण्डों की संख्या** | **:** | **सभी खण्ड** |

**अधिकतम अंक : 100**

**सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

### खण्ड - क

**1.** प्रस्ताव, स्वीकृति एवं खंडन के संप्रेषण संबंधी नियमों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। क्या कोई ऐसी समय अवधि है जिसके बाद प्रस्ताव का खंडन नहीं किया जा सकता है? **(10)**

**2.** निम्नलिखित में अंतर बताइए : **(10)**

(क) बल प्रयोग तथा अनुचित प्रभाव

(ख) कपट तथा मिथ्यावर्णन

**3.** प्रतिफल की अपर्याप्तता महत्वहीन है, लेकिन एक वैध अनुबंध के लिए वैध और वास्तविक प्रतिफल आवश्यक है।' टिप्पणी कीजिए । **(10)**

**4.** सांझेदारों के विभिन्न प्रकारों की गणना कीजिए और उनके दायित्व की सीमा संक्षेप में बताइए । **(10)**

**5.** "माल को कोई भी विक्रेता, क्रेता को स्वयं से श्रेष्ठ अधिकार नहीं सौंप सकता" । इस नियम की व्याख्या कीजिए । क्या इस नियम के कुछ अपवाद हैं ? **(10)**

### खण्ड – ख

**6.** प्रस्ताव की परिभाषा कीजिए। वैध प्रस्ताव के आवश्यक लक्षण बताइए । **(6)**

**7.** गलती की परिभाषा कीजिए तथा गलती के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या कीजिए । **(6)**

**8.** फर्म के विघटन पर सांझेदारों के अधिकार एवं दायित्वों की व्याख्या किजिए । **(6)**

**9.** पूर्वाधिकार तथा माल को मार्ग में रोकने के अधिकार में अंतर स्पष्ट कीजिए । **(6)**

**10.** गिरवी से क्या आशय है ? इसके आवश्यक लक्षण बताइए । **(6)**

### खण्ड – ग

**11.** अदत्त विक्रेता की परिभाषा कीजिए । उसके क्या अधिकार हैं ? **(5)**

**12.** व्यापार में रूकावट डालने वाला करार व्यर्थ है । इस कथन की जांच कीजिए, कोई अपवाद हो तो बताइए। **(5)**

**13.** सीमित दायित्व सांझेदारी का सांझेदार कौन नहीं हो सकता है ? **(5)**

**14.** एक वैध विक्रय अनुबंध की आवश्यक विशेषताएं स्पष्ट कीजिए । **(5)**